कमांक 434-ज-(I)-81/24722.—पूर्वी पंजाब युद्ध जागीर पुरुस्कार अधिनियम, 1948 जैसा कि उसे हिरया र राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गए प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हिरयाणा के राज्य पाल श्री जगमाल सिंह, पुत्र श्री भूरा सिंह, गांव नान्धा. तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रमढ़ को रवी, 1976 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गयी शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 716-ज (I)-81/24726.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रिपनाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) कि धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गए ग्रिधकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री ग्रमर सिंह, पुत्र श्री पिरदान, गांव धारड़ा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को खरीक, 1976 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 जुलाई, 1981

कमांक 377-ज (II)-81/24946.—श्री बिरखा राम, पुत्र श्री गुलाब सिंह, गांव भैसह खुर्द. तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 23 नवम्बर, 1980 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी गंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गयी शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री बिरखाराम की मुख्लिक 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 1861-ज(II)-80/40199, दिनांक 13 नवम्बर, 1980 द्वारा मंजूर की गयी थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सरजो के नाम खरीक 1981 से दिनांक 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तगर्त प्रदान करते हैं।

कमांक 876-ज (I)-81/25010. --श्री राम, पुत्र श्री राम नारायण गांव नन्द, तहसील व जिला भिवानी की दिनांक 24 दिसम्बर, 1978 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वष्ट्य हरियाणा के राज्यपाल. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार ग्रिधिनियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रयनाया गया है ग्रीर ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा अण्वं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राम, को मृद्धिलग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की ग्रधिसूचना कमांक 2417-ग्रार-III-66/4792, दिनांक 26 मार्च, 1966 तथा ग्रधिसूचना कमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी. ग्रव उसकी विधवा श्रीमती पारबती के नाम खरीफ 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रवी 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्नों के ग्रन्तगर्त प्रदान करते हैं।

कमांक 282-ज(I)-81/25014.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सींपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्रीमित धर्मकौर विधवा श्री जगत सिंह, गांव खान अहमदपुर तहसील व जिला अम्बाला को रबी, 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसा र सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 465-ज(I)—81/25018.—श्री दयाल सिंह. पुत्र श्री नत्या सिंह. गांव वही रसोर, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला की दिनांक 16 फरवरी, 1977 को हुई मृत्यु के परिणाम स्त्रहण हरियाणा के राज्यस पूर्ती पंजाब युद्ध पुहस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 1(3) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री दयाल सिंह को मुक्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 342-र-4-66/1005. दिनांक 10 अप्रैल, 1967 तथा अधिसूचना कमांक 5041-आर-III 70/29505 दिनांक, 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी अब उसकी विधवा श्रीमती केसर कौर के नाम खरीफ 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तगर्त प्रदान करते हैं।

कमांक 446-ज(I)-81/25022 --पूर्वी पंजाब युद्ध पुम्स्कार श्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(एए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपान श्री रामजी लाल, पुत्र श्री कालू गांव सैंदपुर, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को खरीफ 1965 से रवी, 1976 तक 100 रुपये वाधिक , खरीफ, 1970 से खरीफ , 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद मेंदी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।